12/11/24

राजस्थान की स्थापत्य कला :→

राजस्थान के किले :→
forts of RAJ.

किलो के प्रकार :–

1. गिरि
2. औदक (जल)
3. वन
4. एरण (जंगल)
5. धान्वन (मरुस्थल)
6. पारिख (खाई)
7. पारिध (परकोटा)
8. सैन्य
9. सहाय

→ 2013 ई. में UNESCO ने राजस्थान के 6 पर्वतीय किले विश्व विरासत सूची में शामिल किए थे।

1. गागरौन
2. चित्तौड़गढ़
3. कुंभलगढ़
4. रणथम्भौर
5. आमेर
6. जैसलमेर

Springboard ACADEMY

1. गागरौण :→ (झालावाड़)

→ डोड (परमार) राजाओ ने इसका निर्माण करवाया था। अतः इसे डोडगढ़ कहा जाता हैं।

→ अन्य नाम :→ धूलरगढ़

→ देवेन सिंह खींची (चौहान) ने बीजलदेव डोड को हराया तथा इस किले पर अधिकार कर लिया।

→ यह काली सिंध व आहू नदियो के किनारे स्थित हैं।

→ यह किला बिना नींव के सीधे चट्टान पर स्थित हैं।

→ जैत्र सिंह खींची :→ अलाउद्दीन खिलजी ने गागरौण पर आक्रमण किया था। लेकिन उसे सफलता नहीं मिली।

प्रताप सिंह खींची → फिरोज तुगलक ने गागरौण पर आक्रमण किया था। लेकिन उसे हरा दिया गया।

→ कालांतर में संत बन गए थे। (संत पीपा)

अंचल दास खींची → यह संत पीपा के छोटे भाई थे।

→ मालवा के होशंगशाह ने गागरौण पर आक्रमण किया। (1423 ई.)

Springboard ACADEMY

(3) → इस समय गागरौण का पहला साका हुआ था। (साका = जौहर + केसरिया)

~~पालण सिंह~~ खींची / पाल्हण सी → 1444 ई. में मालवा के मुहमूद खिलजी -I ने गागरौण पर आक्रमण किया था। इस समय गागरौण का दूसरा साका हुआ था।

☆ महमूद खिलजी - I ने गागरौण का नाम बदलकर मुस्तफाबाद कर दिया था।

ईमारते →

1. बुलंद दरवाजा → औरंगजेब ने इसका निर्माण करवाया था।
2. मधुसूदन मंदिर → कोटा के दुर्जनसाल ने इसका निर्माण करवाया था।
3. जालिम कोट → जालिम सिंह झाला ने परकोटे का निर्माण करवाया।
4. कोटा की टकसाल (गुमानशाही सिक्के)
5. ☆☆☆ संत हमीदुद्दीन (मीठे शाह) की दरगाह
6. गीध कराई → यहाँ राजनीतिक कैदियों को मृत्युदंड दिया जाता हैं।
7. जौहर कुंड
8. अंधेरी बावड़ी

Springboard ACADEMY

(4)

~~2.~~ ग्रामीण →

2. **चित्तौड़गढ़ →** चित्रांग मौर्य ने इस किले का निर्माण करवाया था। अतः इसे चित्रकूट दुर्ग कहा जाता है।

अन्य नाम: → किलों का सिरमौर (Crown of fort)
राजस्थान का गौरव

→ यह गंभीरी व बेड़च नदी के किनारे स्थित है।

→ धान्वन दुर्ग के अतिरिक्त इस किले में अन्य सभी विशेषताएँ हैं।

→ यह राजस्थान का सबसे बड़ा आवासीय किला है।

→ यह मेसा के पठार पर मछली की आकृति का बना हुआ है।

→ महाराणा जगत सिंह I ने इस किले का ~~पुर्न निर्माण~~ शुरू करवाया था।
पुनर्निर्माण

ईमारतें:

1. लाखोटा बारी (खिड़की)
2. नवलखा ~~दुर्ग~~ बुर्ज
3. तुलजा भवानी मंदिर

(2, 3) → बनवीर ने ~~इसका~~ इनका निर्माण करवाया था।

Alwin — Gate ... पर बैठे थे

Springboard Academy

⑤

4. अद्भुत जी (ऋषभदेव) मंदिर

~~सांजो के~~ ★5. सतबीस देवरी (27 जैन मंदिर)

6. चत्रांग तालाब

7. भीमलत तालाब

3. कुंभलगढ़ :→ राजसमंद

→ सम्प्रति मौर्य ने इस किले का निर्माण करवाया था।

→ कालांतर में मेवाड़ के राणा कुंभा ने इस किले का निर्माण करवाया था।

→ जेम्स टॉड ने इसकी तुलना एट्रस्कन किले से की थी।

→ परकोटे की लंबाई → 36 km.

→ चौड़ाई ⟹ 4 घोड़े एक साथ दौड़ सकते हैं।

→ ऊँचाई ⟹ अबुल फजल के अनुसार " यदि कोई व्यक्ति इस किले को नीचे से ऊपर की ओर देखता है तो उसकी पगड़ी गिर जाती है।

इमारते :

1. झाली रानी का मालिया

2. मामादेव कुंड

4. रणथम्भौर → प्राचीन नाम :- रणस्तम्भपुर (हम्मीर रासो के अनुसार)

→ 8वीं शताब्दी में चौहान राजाओ ने इस किले का निर्माण करवाया था।

→ यह किला एरण (जंगल) दुर्ग का एक उदाहरण हैं।

→ यह अंडाकार ~~वक्र~~ आकृति की पहाड़ी पर बना हुआ हैं।

→ अबुल फजल के अनुसार → " अन्य सभी किले नंगे हैं लेकिन यह किला बख्तरबंद (किला) हैं।

→ यह शिवलिंग पर बिलपत्र के समान दिखाई देता है। (नाथावतों का इतिहास के अनुसार)

ईमारते:

1. जौगी महल → (Rajiv Gandhi कहते हैं)
2. सुपारी महल
3. जौंरा - भौंरा (अनाज)
★ 4. नवलखा दरवाजा
5. पीर सद्दरूद्दीन की दरगाह
6. अकबर की टकसाल
7. गुप्त गंगा

Springboard ACADEMY

5. आमेर :— / कांकिलगढ़ ← अन्य नाम

→ मानसिंह ने इस किले का निर्माण करवाया था।

→ यह किला महल की तरह बनाया हुआ हैं।

→ इस किले पर मुगल स्थापत्य कला का प्रभाव हैं।

→ इस किले में भूलभुलैया बनी हुई हैं। (लखनऊ की तरह)

→ बिशप हैबर ने इसकी तुलना मॉस्को के क्रेमलिन ईमारते से की थी।

1. दीवान - ए - आम (मिर्जा राजा जयसिंह)
2. दीवान - ए - खास
3. खास महल (शीश महल)

महल
4. सुख मंदिर
5. यश मंदिर
6. सुहाग मंदिर

7. मावठा जलाशय
8. दौलाराम का बाग
9. केसर क्यारी बगीचा

6. जैसलमेर (पहाड़) → 1155 ई. में जैसलभाटी ने इस किले का निर्माण करवाया था।

→ यह पीले पत्थरो से बना हुआ हैं। अतः इसे सोनारगढ़ कहा जाता हैं। (स्वर्णगीरि किला)

→ यह राजस्थान का दूसरा बड़ा आवासीय किला हैं।

Springboard ACADEMY

(8)

→ यह किला त्रिकूट पहाड़ी पर स्थित हैं।

→ यह किला त्रिभुजाकार आकृति में बना हुआ हैं।

→ किले के निर्माण में चूने का प्रयोग नहीं किया गया था।

→ इस किले में लकड़ी की छत बनी हुई हैं।

13 NOV. 24 → अबुल फजल के अनुसार केवल पत्थर की टांगे हि जैसलमेर तक ले जा सकती हैं।

→ सत्यजीत रे की फिल्म = सोनारगढ़

→ नेहरू जी ने इसे 8वाँ आश्चर्य कहा था।

→ 2009 ई. में इस किले पर डाक टिकट जारी किया गया था।

→ **मूलराज** → अलाउद्दीन खिलजी ने जैसलमेर पर आक्रमण किया। इस समय जैसलमेर का पहला साका हुआ था।

दुर्जनसाल / दूदा → फिरोज तुगलक ने जैसलमेर पर आक्रमण किया था।

→ इस समय जैसलमेर का दूसरा साका हुआ था।

Springboard ACADEMY

लूणकरण → कंधार के अमीर अली ने जैसलमैर पर आक्रमण किया था।

→ इस समय केसरिया तो किया गया था। लेकिन जौहर नहीं हो पाया था। अतः इसे आधा साका कहा जाता है।

इमारते

1. ९९ बुर्ज (सर्वाधिक)
2. कमरकोट (घाघरानुमा परकोटा)
3. ऋषभदेव मंदिर
4. संभवनाथ मंदिर
5. पार्श्वनाथ मंदिर
6. जिनभद्र सूरि भंडार (प्राचीन ग्रंथो का संग्रह)
7. ~~जैसलू कुंआ~~ जैसलू कुंआ

7. मेहरानगढ →

→ राव जोधा ने इस किले का निर्माण करवाया था।

→ जोधा सूर्यवंशी राठौड़ राजा थे। अतः मिहिरान गढ़ कहा जाता था।

→ यह किला चिड़ियाटूंक पहाड़ी पर स्थित है।

→ यह किला ~~मथ~~ मोर की आकृति ~~के~~ में बना हुआ है। अतः इसे मयूरध्वजगढ़ कहा जाता है।

Springboard ACADEMY

→ अन्य नाम → चिन्तामणी दुर्ग

→ किले के निर्माण के दौरान राजाराम नामक व्यक्ति की बलि दी गयी थी।

→ रुडयार्ड किपलिंग के अनुसार इस किले का निर्माण देवताओ व ~~परीयों~~ परियों द्वारा करवाया गया है।

→ तोपे →
1. गजक
2. गजनी
3. गुब्बारा
4. नुसरत
5. शम्भुबाण
6. भवानी
7. किलकिला

ईमारते →
1. चोखेलाव महल → मालदेव ने इसका निर्माण करवाया था।
2. तलहटी महल → सूरसिंह ने इसका निर्माण करवाया था।
3. फूल महल → अभय सिंह ने इसका निर्माण करवाया था।
4. श्रृंगार चौकी
   → यहाँ पर राजाओ का राजतिलक किया जाता था।

Springboard ACADEMY

5. मुरली मनोहर मंदिर

6. आनन्द बन मंदिर

7. भूरे खाँ की मजार (दरगाह)

8. कीरत सिंह सोढ़ा की छतरी

9. धन्ना - भींवा (मामा - भान्जा) की छतरी

8. जूनागढ़ →

→ महाराजा रायसिंह ने इसका निर्माण करवाया था।

→ अन्य नाम :-
- → चिन्तामणि दुर्ग
- → रातीघाटी दुर्ग
- → जमीन का जेवर

→ यह किला चतुर्भुजाकार आकृति में बना हुआ हैं।

→ यह किला पारिख दुर्ग का एक उदाहरण हैं।

ईमारतें:

1. 37 बुर्जे
2. हर मंदिर
3. अनूप महल (राजाओ का राजतिलक किया जाता था)
4. गंगा विलास महल (यह भित्ति चित्रों के लिए प्रसिद्ध)
5. ~~लि~~ लिफ्ट (lift)

Springboard ACADEMY

(10)

1. भटनेर → भूपत भाटी ने इस किले का निर्माण करवाया था।

→ इस किले ने सर्वाधिक विदेशी आक्रमणो का सामना किया था।

→ तैमूर के अनुसार ~~थे~~ भारत का सर्वाधिक सुरक्षित किला हैं।

→ तैमूर के आक्रमण के दौरान हिंदू महिलाओ के साथ-साथ मुस्लिम महिलाओ ने भी जौहर किया था।

→ इस किले का परकोटा कच्ची ईंटो का बना हुआ हैं।

<u>ईमारते</u> →

1. 52 बुर्जे

2. भद्रकाली माता मंदिर

3. ~~शेर~~ शेर खाँ की कब्र (बलबन का भाई था)

4. दलपत सिंह व 6 रानियों के स्मारक (दलपत सिंह रायसिंह का विद्रोही बेटा था)

Springboard ACADEMY

(11)

10. जयगढ़ →

→ मान सिंह ने इसका निर्माण शुरू करवाया था।

→ मिर्जा राजा जयसिंह ने इसका निर्माण पूर्ण करवाया था।

→ सवाई जयसिंह ने इसे वर्तमान स्वरूप प्रदान किया।

इमारतें:

1. सुरंगे (यह रहस्मयी किला है)
2. पानी के टांके
3. खजाना
4. शस्त्रागार
5. जयबाण तोप
6. विजयगढ़ी (→ सवाई जयसिंह ने अपने भाई विजय सिंह को यहाँ गिरफ्तार किया था)
7. दीया बुर्ज

→ आपातकाल के दौरान इस किले की खुदाई की गयी थी।

Springboard ACADEMY

11. माधोराजपुरा किला →

→ जयपुर महाराजा माधो सिंह I ने मराठाओ पर जीत की याद पर इस किले का निर्माण करवाया था।

→ भारत सिंह नरुका ने अमीर खाँ पिंडारी के परिवार को इस किले में गिरफ्तार किया था।

12. चौमूँ किला → कर्ण सिंह ने इस किले का निर्माण करवाया था।

अन्य नाम: → चौमुँहागढ़
→ धाराधारागढ़
→ रघुनाथगढ़

ईमारतें → हवा मंदिर

13. तारागढ़ (अजमेर) → इसने सर्वाधिक आक्रमणों का सामना किया था।
→ चौहान राजा अजयराज ने इसका निर्माण करवाया था।

→ यह बीठली पहाड़ी पर स्थित हैं। अतः इसे गढ़ बीठली भी कहा जाता हैं।

→ शाहजहाँ के शासनकाल में विट्ठलदास गौड़ इस किले का सेनापति था।

→ इसे राजस्थान का जिब्राल्टर कहा जाता हैं।

→ गर्वनर जनरल लॉर्ड विलियम बैंटिक ने इसे आरोग्य सदन में बदल दिया था।

→ दाराशिकोह का जन्म इस किले में हुआ था।

→ दाराशिकोह ने औरंगजेब के खिलाफ इसी किले में शरण ली थी।

Springboard ACADEMY

(13)

<u>ईमारते</u> → 1. 14 बुर्जे (घुघंट, बांदरा, ईमली)

2. मीरान साहब की दरगाह (अजमेर के प्रथम मुस्लिम गर्वनर)

3. घोड़े की मजार

4. हिंजड़े की मजार

5. शीशाखान गुफा

Imp ☆ 6. नाना साहब का झालरा

☆ 7. इब्राहिब खाँ का झालरा

→ हर विलास शारदा के अनुसार यह राज. का प्राचीनतम गिरि दुर्ग है।

14. अकबर का किला → 1570 ई. में अकबर ने <u>अजमेर</u> में इस किले का निर्माण करवाया था।

→ इसे अकबर का दौलतखाना कहा जाता था।

→ हल्दीघाटी युद्ध की ~~अप~~ अंतिम योजना इसी किले में बनायी गयी थी।

→ 10 जनवरी 1616 ई. को सर टॉमस रो ने इस किले में जहाँगीर से मुलाकात की थी।

→ अंग्रेज इस किले में अपने हथियार रखते थे। अतः इसे मैंग्जीन किला कहा जाता था।

→ कालांतर में अंग्रेजो ने इसे राजपूताना म्यूजियम में बदल दिया था।

Springboard ACADEMY

15. तारागढ़ (बूँदी) → 1354 ई. में बरसिंह ने इस किले का निर्माण करवाया था।

→ यह झील में चमकते हुए तारे के समान दिखाई देता है।

→ रूडयार्ड किपलिंग के अनुसार इस किले का निर्माण भूत-प्रेतो द्वारा करवाया गया है।

→ जेम्स टॉड ने इस किले के महलो की प्रशंसा की है।

→ इस किले के महल भित्ति चित्रो के लिए प्रसिद्ध है। जैसे - रंगमहल, चित्रशाला।

ईमारते →
1. सुख महल
2. छत्र महल
3. अनिरुद्ध महल
4. गर्भ गुंजन तोप
5. नवल सागर तालाब
6. जैत सागर →

गणगौर विसर्जन के दौरान राजकुमार जोधसिंह इसमें डूब गया था। अतः कहा जाता है कि- "हाडो ले डूब्यो गणगौर"

Springboard ACADEMY

16. कोटा का किला → माधोसिंह ने इसका निर्माण करवाया था।

→ यह चंबल नदी के किनारे स्थित हैं।

→ जेम्स टॉड के अनुसार इस किले का परकोटा आगरा किले के बाद सबसे बड़ा हैं।

17. शेरगढ़ (बांरा) → यह परवन नदी के किनारे स्थित हैं।

→ यह ~~कोषवर्धन~~ कोशवर्द्धन पहाड़ी पर स्थित हैं। अत: इस कोशवर्द्धनगढ़ कहा जाता था।

→ शेर शाह ~~सूरि~~ शूरि ने इसका नाम बदलकर शेरगढ़ कर दिया था।

→ मुगल बादशाह फर्रुखसियर ने यह किला कोटा के भीम सिंह को दे दिया था।

→ जालिम सिंह झाला ने अमीर खाँ पिंडारी को इस किले में शरण दी थी।

14-Nov-24 **18. शाहबाद किला (बांरा)** →

→ 1540 ई. में मुकुट मणि देव चौहान ने इस किले का निर्माण करवाया था।

→ शेर शाह शूरि ने इसका नाम बदलकर सलीमाबाद कर दिया था।

Springboard ACADEMY

(16)

ईमारते → 1. बादल महल
2. नवल बाण तोप

19. शेरगढ़ (धौलपुर) →

→ यह चंबल नदी के किनारे स्थित है।
→ यह कुषाणकालीन किला है।

ईमारते :-
Imp.★ 1. सैय्यद हुसैन की दरगाह
2. कमल बाग (बाबरनामा से इसकी जानकारी मिलती है)
3. निहाल टॉवर (घण्टाघर)
4. हुन हुंकार तोप

↳ तमंचाशाही सिक्के।

20. भरतपुर किला →

→ महाराजा सूरजमल ने इसका निर्माण करवाया था।
→ यह किला पारिख दुर्ग का एक उदाहरण है।
→ 1765 ई. में जवाहर सिंह ने दिल्ली पर आक्रमण किया तथा अष्ट धातु के दरवाजे लेकर आया तथा इन्हें भरतपुर के किले में लगवाया।

Springboard ACADEMY

(17) → इस जीत की याद में जवाहर बुर्ज का निर्माण करवाया गया था। जहाँ राजाओं का राजतिलक किया जाता था।

→ दूसरे अंग्रेज ~~मराठा~~ मराठा युद्ध के दौरान महाराजा रणजीत सिंह ने मराठा सेनापति जसवंत राव होल्कर को शरण दी थी।

↓

→ इस समय अंग्रेज सेनापति लॉर्ड लेक ने भरतपुर किले पर 5 आक्रमण किए थे लेकिन वह किले पर अधिकार नहीं कर सका था ~~a~~ अतः इस किले को लोहागढ़ कहा जाता है।

↓

→ इस जीत की याद में फतेह बुर्ज का निर्माण करवाया गया था।

→ चार्ल्स मेटकॉफ के अनुसार अंग्रेजो की सम्पूर्ण प्रतिष्ठा भरतपुर आक्रमण में समाप्त हो गयी थी।

इमारते →
1. किशोरी महल
2. लक्ष्मी महल
3. दादी माँ का महल
4. वज़ीर की कोठी
5. गंगा मंदिर
6. लक्ष्मण मंदिर
7. जामा मस्जिद (बलवंत सिंह के शासन काल में इसका निर्माण करवाया गया)

Springboard ACADEMY

21. बयाना का किला →

→ 1040 ई. में विजयपाल जादौन ने इसका निर्माण करवाया था।

→ अन्य नाम :→ 1. विजय मंदिरगढ़
2. बाणासुर किला
3. बादशाह का किला

→ ईमारते → 1. लोदी मीनार
2. दाउद खाँ मीनार
3. सादुल्ला सराय (धर्मशाला)
4. अकबरी छतरी
5. जहाँगीरी दरवाजा

बयाना ↓ नील की खेती

Springboard ACADEMY

22. बाला किला (अलवर) →

→ अलघुराय (काकिलदेव) ने इस किले का निर्माण करवाया था।

→ निकुम्भ चौहानो ने इस किलो का पुनर्निर्माण करवाया था।

→ हसन खाँ मेवाती ने भी इस किले का पुर्ननिर्माण करवाया था।

→ बाबर ने इस किले के खजाना को अपने बेटे हुमांयू को दिया था। तथा यह किला हिन्दाल को दे दिया था।

ईमारते :- 1. करणी माता मंदिर

2. सीताराम मंदिर

3. 15 बुर्जे

4. सलीम सागर तालाब (शेरशाह सूरि ने इसका निर्माण करवाया था)

5. सूरज कुंड

6. अंधेरी दरवाजा

23. कांकनबाड़ी किला (अलवर) →

→ मिर्जा राजा जयसिंह ने इसका निर्माण करवाया था

→ औरंगजेब ने अपने भाई दारा शिकोह को इस किले में गिरफ्तार किया था।

24. जालौर का किला →

→ यह सूकड़ी नदी के किनारे स्थित।

→ गौरी शंकर हीराचंद ओझा के अनुसार यह किला परमारो द्वारा बनवाया गया था।

→ दशरथ शर्मा के अनुसार प्रतिहार राजा नागभट्ट-I ने इस किले का निर्माण करवाया था।

→ हसन निजामी के अनुसार कोई भी आक्रमणकारी इस किले का दरवाजा नहीं खोल पाया था।

Springboard ACADEMY

(20) इमारते :→

1. अलाई मस्जिद / तोपखाना मस्जिद (मूलरूप से यह एक संस्कृत पाठशाला थी)
2. खिलजी मीनार
Imp ☆ 3. मलिक शाह की दरगाह
4. जोगा माथा मंदिर
5. चामुंडा माता मंदिर
6. जैन कीर्ति स्तम्भ

25. अचलगढ़ → सिरोही

→ परमारो ने इस किले का निर्माण करवाया था।

→ 1452 ई. में मेवाड़ के राणा कुंभा ने इसका ~~पुर्ननिर्माण~~ करवाया था। पुर्निर्माण

→ इमारते :-

1. दुरसा आढ़ा की मूर्ति
2. अचलेश्वर मंदिर (शिवजी के अंगूठे की पूजा की जाती है)
3. भंवराथल
4. मंदाकिनी कुंड

26. सिवाणा (बालोतरा →

→ वीर नारायण पंवार ने इस किले का निर्माण करवाया था।

Springboard ACADEMY

(21) अन्य नाम :- कूमट दुर्ग (झाड़ी)

इमारतें :-

1. हलदेश्वर मंदिर
2. भांडेलाव तालाब

27. नागौर किला →

→ चौहान राजा सोमेश्वर के शासन काल में कैमास ने इस किले का निर्माण करवाया था।

इमारतें :-
1. 28 बुर्जे
2. अकबरी मस्जिद
3. तिहरा परकोटा

28. कुचामन का किला →

→ जालिम सिंह ने इस किले का निर्माण करवाया था।

→ इसे जागीरी किलों का सिरमौर कहा जाता है।

→ इकतीसंदा सिक्का = कुचामन

29. चुरू का किला →

→ 1739 ई. में कुशाल सिंह ने इस किले का निर्माण करवाया था।

Springboard ACADEMY

30. फतेहपुर का किला →

→ कायमखानी नवाब फतेह खाँ ने इसका निर्माण करवाया था।

→ इमारते → Imp. ★1. पीर निजामुद्दीन की दरगाह
2. तोतीन का महल

31. मांडलगढ़ (भीलवाड़ा) →

→ बालनोत राजपूतो ने इसका निर्माण करवाया था।

→ यह मंडल आकृति में बना हुआ हैं। अत: इसे मांडलगढ़ कहा जाता है।

→ हल्दी घाटी युद्ध से पहले मानसिंह इस किले में रुका था।

→ इमारते → 1. उंडेश्वर मंदिर
2. शीतला माता मंदिर
3. सागर-सागरी तालाब

32. भैंसरोडगढ़ →

→ यह चंबल तथा बामनी नदियों के किनारे स्थित हैं।

★ → इसे राजस्थान का वेल्लोर कहा जाता हैं।

Z+ movie

Springboard ACADEMY

(23)

→ यह जेम्स टॉड का पसंदीदा किला था।

33. सज्जनगढ़ (Udaipur) →

→ महाराणा सज्जन सिंह ने इस किले का निर्माण करवाया था।

→ अन्य नाम :- 1. मेवाड़ का मुकुटमणि
2. वाणी विलास पैलेस
3. मानसून पैलेस

34. ऊँटाला किला (उदयपुर) → / वल्लभनगर

→ ऊँटाला के युद्ध में मेवाड़ महाराणा अमरसिंह I ने मुगल बादशाह जहाँगीर को हराया था।

→ ~~इसमें हरावल~~ इस किले में हरावल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था।

↓

जैत्र सिंह चुंडावत v/s बल्लू शक्तावत

35. नवलखा दुर्ग (झालावाड़) →

→ पृथ्वी सिंह ने इसका निर्माण करवाया था। (झालावाड़ का राजा)

धाड़ी (white) Jaisalmer लड़ने मुलतान

36. तिमनगढ़ (करौली) →

→ तिमनपाल ने इसका निर्माण करवाया था।

ईमारतें → 'ननद - भौजाई का कुंआ'

37. दौसा का किला

→ यह देवगिरि पहाड़ी पर स्थित है।

→ यह छाजले (सूप) की आकृति में बना हुआ है।

38. ~~नीमराणा~~ नीमराणा

→ अन्य नाम :→ पंचमहल

39. मोहनगढ़ (जैसलमेर)

→ जवाहर सिंह के शासन काल में इसका निर्माण करवाया गया था।

→ यह भारत का अंतिम किला है।

Springboard ACADEMY

18/11/24

CH: राजस्थान का साहित्य एवं बोलियाँ

आर्य भाषा
↓
वैदिक संस्कृत
- पालि
  - शौरसेनी प्राकृत
    - गुर्जरी अपभ्रंश
      - राजस्थानी
      - गुजराती
    - शौरसेनी अपभ्रंश
      - हिंदी
  - महाराष्ट्री प्राकृत
  - मागधी प्राकृत
- संस्कृत

राजस्थानी:

- डिंगल
  - पश्चिमी राजस्थानी का साहित्यिक रूप
  - गुजराती प्रभाव
  - वीर रस
- पिंगल
  - पूर्वी राजस्थानी का साहित्यिक रूप
  - → ब्रज प्रभाव
  - → श्रृंगार रस

Springboard ACADEMY

↓ - चारण साहित्य

Eg:-

वैली किसण रुक्मणी री
↓
प्रथ्वीराज राठौड़

↓ - भाट साहित्य

Eg:-

पृथ्वीराज रासो
↓
चंदबरदाई (पृथ्वी भट्ट)

11वीं - 13वीं शताब्दी तक → गुर्जरी अपभ्रंश

13 वीं - 16वीं शताब्दी तक → प्राचीन राजस्थानी (जैन साहित्य)

16 वीं - 18वीं शताब्दी तक → मध्यकालीन राजस्थानी
↓
चारण साहित्य

18 वीं → Till Now → आधुनिक राजस्थानी

→ 778 ई. में वत्सराज प्रतिहार के शासनकाल में जालौर में उद्योतन सूरि ने कुवलयमाला नामक एक पुस्तक लिखी थी। इस पुस्तक में 18 भाषाओं का वर्णन हैं। तथा इनमें मरुभाषा भी शामिल हैं।

Springboard ACADEMY

→ 16वीं शताब्दी में अबुल फजल ने आइने-ए-अकबरी नामक पुस्तक लिखी थी। इस पुस्तक में मारवाड़ी भाषा का उल्लेख हैं।

→ 1912 ई. में जॉर्ज अब्राहम ग्रियर्सन ने 'Linguistic Survey of india' नामक पुस्तक लिखी थी। तथा इस पुस्तक में राजस्थानी भाषा का उल्लेख हैं।

→ राजस्थानी मुड़िया लिपि (महाजनी) में लिखी जाती हैं। जिसका प्रचार प्रसार टोडरमल ने किया था।

→ ~~LP Tessitori व~~

LP टेसीटोरी व रामकर्ण आसोपा ने राजस्थानी भाषा की व्याकरण लिखी थी।

→ सीताराम लालस ने राजस्थानी भाषा का ~~शब्दकोश~~ शब्दकोष तैयार की।

Springboard ACADEMY

राजस्थानी साहित्य का विभाजन :-

A. प्राचीन साहित्य (1050 से 1450ई. तक)

B. पूर्व मध्यकालीन साहित्य (1450 से 1650 तक)

C. उत्तर मध्यकालीन साहित्य (1650 से 1850 तक)

D. आधुनिक साहित्य (1850 से अब तक)

A. प्राचीन साहित्य (1050 - 1450 ई. तक) →

→ इस समय भारत विदेशी आक्रमणो का सामना कर रहा था। अतः साहित्य में योद्धाओ का गौरवगान किया गया था। अतः इसे वीर गाथा काल कहा जाता हैं।

जैसे :-

श्रीधर ⟶ रणमल छन्द

- रणमल ईडर का राठौड़ राजा था तथा इसने पाटन के जफर खान को हराया था।

B. पूर्व मध्यकालीन साहित्य (1450 - 1650 तक) :-

→ इस काल में आक्रमणकारियो द्वारा मंदिर तोड़े जा रहे थे। तथा बड़े पैमाने पर धर्मांतरण करवाया जा रहा था।

Springboard Academy

(29) अतः सामान्य लोग संतो की चरण में पहुँचे । अतः संत साहित्य अधिक लिखा गया था। अतः इसे भक्तिकाल कहा जाता है।

Eg:- माधोदास ⟶ राम रासौ

सायांजी झूला ⟶ 1. रुकमणी हरण
2. कालिया दमन
3. महादेव पार्वती री वेलि
4. नागदमण

6. उत्तर मध्यकालीन साहित्य (1650 - 1850): -

- इस काल में अपेक्षाकृत शांति का वातावरण था। अतः साहित्य में नैतिक मूल्यो की स्थापना की गयी। तथा प्रेम कहानियाँ अधिक लिखी गयी। अतः इसे नीति एवं शृंगार का काल कहते हैं।

18 Nov. 24

Eg:- मंछाराम ⟶ रघुनाथ रूपक
⟶ जोधपुर के महाराजा मानसिंह के दरबारी विद्वान

कृपाराम खिड़िया ⟶ राजिया रा दोहा
⟶ यह सीकर के राजा लक्ष्मण सिंह के दरबारी विद्वान थे। तथा राजिया इनका नौकर था।

Springboard Academy

D. आधुनिक साहित्य (1850 – अब तक) :→

- इस काल में अंग्रेज विरोधी साहित्य अधिक लिखा गया था। अतः इसे राष्ट्रवादी काल कहा जाता है।

Eg :→

सूर्यमल्ल मीसण → वंश भास्कर (बूँदी का इतिहास है) (वंश भास्कर)
- वीर सतसई
- बलवन्त विलास
- सती रासो
- राम रंजाट
- छंद मयूख

- बूँदी के राजा रामसिंह II के दरबारी विद्वान थे।
- इनके पत्रों से 1857 ई. की क्रांति की जानकारी मिलती है।

- उनके बेटे ~~मुरारीदान ने~~ मुरारिदान ~~उन्हें~~ इसे पूरा किया था।

- सूर्यजल
- घोड़े-कुँवर में लाश

शंकरदान सामौर → देश दर्पण
- अंग्रेजां री नीत
- सगती सुजस
- भागीरथी महिमा

- यह किसी भी राजा के दरबार में नहीं थे। अतः ~~आ इन्हें~~ लोककवि कहा जाता है।
- उन्होंने अंग्रेजों को मुलक रा मीठा ठग कहा था।

बांकीदासजी →
1. सूर छत्तीसी
2. चुगल मुख चपेटिका
3. दातार बावनी
4. सूपड़ छत्तीसी

↳ जोधपुर महाराजा मानसिंह के दरबारी विद्वान थे।

Writter	Books
वज्रसेन सूरि →	भरतेश्वर बाहुबली घोर ↓ राजस्थानी साहित्य की प्राचीनतम रचना
शालिभद्र सूरि →	भरतेश्वर बाहुबली रास (1184 ई.) ↳ सन् बताने वाली → राजस्थान की प्राचीनतम रचना
सुमतिगण →	नेमिनाथ रास
पल्हण →	नेमिनाथ बारहमासा
हरिभद्र सूरि →	1. धूर्ताख्यान 2. समराइच्च कहा ↳ उज्जैन के समरादित्य की .... की

Springboard Academy

माणिक्य सुंदर सूरि → 1. पृथ्वी राज वाग्विलास
2. मलयसुंदरी कथा

जटमल → गोरा बादल री बात

कल्लोल → ढोला मारू रा दूहा

कुशललाभ → 1. ढोला मारू री चौपाई
2. पिंगल शिरोमणि

(मालवण
मारू)

खुशाल चंद → ढोला मारू री बात

→ ढोला नरवर का राजकुमार था। तथा मारू पूगल की राजकुमारी थी। (3 वर्ष 1½ वर्ष)

नल्ल सिंह → विजय पाल रासो
↳ (1050) बयाना के विजयपाल जालौन की जानकारी

डुंगरसी → शत्रु साल रासो
↳ बूँदी के शत्रुसाल की जानकारी।

Springboard ACADEMY

(33)

नरोत्तम → मान चरित्र रासौ
आमेर के मानसिंह की जानकारी

सीताराम रतनू → जवान रासौ
यह पुस्तक 'बोराज' (जयपुर का ठिकाना) के युद्ध की जानकारी देती है।
– इस युद्ध में बोराज के जवान सिंह ने मराठा सेनापति राथाजी परेल को हराया था।

प्रताप सिंह → डुंगा

गोपालदान कविया → लावा रासौ
लावा ठिकाना की जानकारी।

जीवधर → अमर रासौ / अमर सार
महाराणा प्रताप एवं महाराणा अमर सिंह I की जानकारी

दलपत विजय → खुमाण रासौ
यह पुस्तक ~~मेवाड़ के~~ बाप्पा रावल से लेकर राजसिंह तक मेवाड़ के राजाओं की जानकारी देती है।

Springboard ACADEMY

दयाल → राणा रासो

[बाप्पा रावल से लेकर जयसिंह मेवाड के राजाओ की जानकारी देती है।

जल्ह → बुद्धि रासो

कुशलधीर → लीलावती रासो

कुम्भकर्ण सांदू → रतन रासो

↓

रतनसिंह राठौड रतलाम का राजा था। धरमत के युद्ध में यह दारा शिकोह की तरफ से लड़ता हुआ मारा गया था।

जसवंत सिंह

जग्गा खिड़िया → वचनिका राठौड रतनसिंह महेसदासोत री

↓

रतलाम के रतनसिंह राठौड की जानकारी।

Springboard ACADEMY

शिवदास गाडण → अचलदास खीची री वचनिका

└ अचलदास खीची गागरोण का राजा था।

| वचनिका → गद्य + पद्य |

दुरसा आढ़ा →
1. विरुद 76 — महाराणा प्रताप की 76 उपाधियाँ
   विरुद छिहत्तरी (76) (उपाधियाँ)
2. किरतार बावनी
3. वीरमदेव सोलंकी रा दूहा

दादू दयाल जी → 1. सन्त गुण सागर
2. नाम माला
3. कायाबेलि

अग्रदासजी → ध्यान मंजरी

└→ रामानंदी सम्प्रदाय के रैवासा पीठ के संस्थापक

नाभादासजी → भक्त माल

└→ अग्रदासजी के शिष्य थे।

Springboard ACADEMY

★ हेम कवि → गुण भाषा

└→ जोधपुर महाराजा गजसिंह के दरबारी विद्वान थे।

महाराणा अरिसिंह मेवाड़ → रसिक चमन

महाराजा जोरावर सिंह बीकानेर →
1. वैद्यक सार
2. पूजा पद्धति

छत्र कुंवरि → प्रेम विनोद

└→ किशनगढ़ महाराजा सांवत सिंह की पुत्री

मुरलीधर →
1. त्रिया विनोद (महिला)
2. अश्वमेघ यज्ञ

└→ कोठारिया (राजसमंद) के उदयभान के दरबारी विद्वान।

मेहोजी गोदरा → राजस्थानी रामायण

└→ यह विश्नोई पंथ के संत थे।

Springboard ACADEMY

(37)

सुरजनदास पूनियां → कथा उषा पुराण → अनिरुद्ध व उषा की प्रेम कहानी
└→ बिश्नोई सम्प्रदाय के संत थे।

सूदन → सुजान चरित
└→ भरतपुर महाराजा सूरजमल की जानकारी।

RAS 2024 बादर ढाढ़ी → वीरमायण
└→ मारवाड़ महाराजा वीरमदेव की जानकारी।

20 Nov. 24

अमरनाथ जोगी → गलालेंग (वीर रस)

★ असाइत → हंसावली (विरह गीत)

जोगीदास → हरि पिंगल प्रबंध
└→ प्रतापगढ़ के हरिसिंह की जानकारी।

हरिदास → केसरी सिंह समर
└→ खण्डेला के केसरी सिंह की जानकारी।

Springboard ACADEMY

बख्तावर जी → केहर प्रकाश
→ मेवाड़ महाराणा स्वरूप सिंह के दरबारी विद्वान।

मुंशी भुसावन लाल → अमीरनामा
→ टोंक के अमीरखां पिंडारी की जानकारी।

साईंदान → संवत्सार
→ वर्षा की जानकारी

Springboard ACADEMY

Springboard ACADEMY

आधुनिक साहित्य :-

शिवचंद्र भरतिया →
1. कनक सुंदर
   - → आधुनिक राजस्थानी का प्रथम उपन्यास
2. केसर विलास
   - → आधुनिक राजस्थानी का प्रथम नाटक
3. विश्रांत प्रवास
   - आधुनिक राजस्थानी की प्रथम कहानी
4. बुढ़ापा की सगाई
5. फाटका जंजाल

- आधुनिक राजस्थानी के प्रथम लेखक
- इन्हें राजस्थान का भारतेंदु हरिशचंद्र कहा जाता है।

गुलाबचंद नागौरी →
1. सगाई जंजाल
2. मारवाड़ी मौसर

गुलाब खण्डेलवाल → रूप की धूप

नाथूसिंह महियारिया →
1. वीर सतसई
2. करणी शतक
3. हाड़ी शतक
4. चूंडा शतक

मुरारिदान →
1. वंश समुच्चय
2. डिंगल कोष

Springboard ACADEMY

मुरारिदास → जसवंत जसो भूषण
- जोधपुर महाराजा जसवंत II की जानकारी।
- इस पुस्तक में अलंकारों का अधिक प्रयोग किया गया है।

अमरदान
- इन्होंने पाखंडी साधुओं की आलोचना की।

→
1. अमल रा औगण (अवगुण)
2. दारू रा दोस
3. तमाखू री ताड़ना
4. ~~ब~~ भजन री महिमा
5. छप्पना रा छन्द (छप्पनिया काल का वर्णन)

हरिराम मीणा →
1. धूणी तपै तीर (गोविंद गुरु पर आधारित)
2. हाँ, चाँद मेरा है।

सवाई सिंह →
1. पीरू प्रकास (परमवीर चक्र विजेता पीरू सिंह) (भारत-पाक युद्ध 1948)
2. सैतान सुजस (परमवीर चक्र विजेता शैतान सिंह) (भारत-चीन युद्ध 1962)
3. गाँधी गाथा
4. चित्तौड़ रा जौहर

रेजांगला Battle

जहूर खाँ मेहर →
- धर मंजला धर कोसां (चलते रहना)
- अर्जुन आली आंख
- राजस्थानी संस्कृति रा चितराम (दृश्य)

(५२)

नारायण सिंह → मीरा
दुर्गादास
परमवीर (शैतान सिंह पर आधारित)
ओल्यूं (मिलने की याद)
बरसां रा डिगोड़ा डूंगर लांघिया

Schoolmate थे शैतान सिंह

रेवन्त दान चारण → 1. बरखा बीनणी
2. नेहरू ने ओलमो

राजस्थान के सामंतो की आलोचना की थी।

गेट उडालना
खलखोटो

अर्जुन देव चारण → 1. रिन्दरोही
2. बोल म्हारी मछली कितो पाणी

करणीदान बारहठ → 1. आदमी रा सींग
2. बड़ी बहनजी
3. मंत्रीजी री बेटी

चन्द्रसिंह बिरकाली (हनुमानगढ़ में गाँव) → ★ 1. बादली
2. लू
3. डाफर
4. साँझ
5. कह मुकरणी
6. बालासाद

Springboard ACADEMY

(43)

सत्य प्रकाश जोशी ⟶ 1. राधा

↓

- 1960 में यह पुस्तक लिखी गयी थी।

- सामान्यतः राजस्थानी साहित्य में ~~योद्धाओं~~ युद्धों का गौरवगान किया गया है लेकिन इस पुस्तक में राधाजी भगवान कृष्ण से महाभारत युद्ध रोकने की प्रार्थना करते हैं अतः इसे युद्ध विरोधी कविता कहा जाता है।

2. बोल भारमली

↓

- इस पुस्तक में महिला सशक्तीकरण का संदेश दिया गया है।

हमीदुल्ला ⟶ 1. ख्याल भारमली

2. दरिंदे

सत्यनारायण सोनी ⟶ धान कथांवा

राम स्वरूप किसान ⟶ 1. हाड़ाखोड़ी

2. तीखी धार

3. बारीक बात

Springboard ACADEMY

लक्ष्मण सिंह कविया → खंग सतसई

बालाबख्श → शोक शतक

नृसिंह राजपुरोहित → अमर चुनड़ी

हिंगलाज दान →
1. आखेट अपजस
2. मेहाई महिमा
3. दुर्गा बहतरी

रामनाथ → द्रौपदी विनय / करुण बहतरी

मेघराज मुकुल →
1. सैनाणी (हाड़ी रानी पर आधारित)
2. चंवरी (पाबूजी पर आधारित)
3. कोडमदे
4. उमंग

मणि मधुकर →
1. पगफेरो
2. सोजती गेट (Jodhpur में गेट)
3. आलीजाधणी (पति) आज्यो
4. सफेद मेमने
5. पत्तों की बिरादरी

Springboard Academy

चंद्रधर शर्मा गुलेरी ⟶ ★1. उसने कहा था।
2. बारात लौट गयी।

यादवेंद्र शर्मा 'चंद्र' ⟶ ★1. हूं गोरी किण पीवरी
2. खम्मा अन्नदाता
3. जनानी ड्योढ़ी
★4. हजार घोड़ों का सवार
★5. जमारो
6. जोग - संजोग
7. चांदा सेठाणी
8. मिट्टी का कलंक
9. समन्द अर थार
10. तास रो घर

↓

राज. के सामंती जीवन का वर्णन किया था।

23 Nov. 24. चन्द्र प्रकाश देवल ⟶ 1. पागी
2. मारग
3. कावड़

मीठेश निर्मोही ⟶ मुगती

कमल रंगा ⟶ आलेखूँ अम्बा

जयसिंह नीरज ⟶ ढ़ाणी का आदमी

★ भंवर सिंह सामौर ⟶ संस्कृति री सनातन दीठ (द्रष्टि)

लता शर्मा ⟶ सही नाप के जूते

मन्नू भण्डारी ⟶ 1. महाभोज 3. खोटे

Springboard ACADEMY

रांगेय राघव → 1. घरौन्दे

2. मुर्दों का टीला (मोहनजोदड़ो पर आधारित)

3. कब तक पुकारू

4. आखिरी आवाज

5. काका

आईदान सिंह → 1. आंख हिये रा हरियल सुपना

2. हंसतोडे होठां रो साच

गौरी शंकर हीराचंद ओझा → 1. राजपूताने का इतिहास

2. प्राचीन लिपिमाला

3. जेम्स टॉड का जीवन चरित

★ हरीश भादाणी → 1. बोले सरणाटो

2. बांथा में भूगोल

अन्नाराम सुदामा → महकती काया, मुलकती धरती

मालचंद तिवाड़ी → की उतरयो है आभो

तेजसिंह जोधा → कठैई, की व्हैगो है

~~पद्य~~

पारस अरोड़ा → जुड़ाव

गोवर्धन सिंह → गाँव

Springboard ACADEMY

(47)

श्रीलाल नथमल जोशी ⟶ 1. एक बीनणी दो बींद

2. परण्योड़ी कुंवारी

LP टेसीटोरीपर आधारित ⟵ 3. धोरां रो धोरी

4. आभै पटकी → विधवा विवाह पर आधारित

5. सबड़का

कन्हैयालाल सेठिया: ⟶ 1. धरती धोरां री

2. पाथल अर पीथल (महाराणा प्रताप तथा पृथ्वीराज राठौड़)

3. लीलटांस

4. ~~कुमकुम~~ कूं कूं

5. मींझर

6. सबद

7. निर्ग्रन्थ

8. मायड़ रो हेलो

पुरस्कार:- सूर्य मल्ल मीसण पुरस्कार (सबद)

- मूर्ति देवी पुरस्कार (निर्ग्रन्थ)
- पद्म श्री
- राजस्थान रत्न

लक्ष्मी कुमारी चुंडावत ⟶ 1. कै' रे चकवा बात (बात कहूं तो रात कटे)

2. अमोलक बातां

3. ~~मांझल रात~~ मांझल रात

4. गिर ऊँचा ऊँचा गढ़

5. गजबण (रूसी कहानियों का राजस्थानी अनुवाद)

6. हिन्दुकुश के उस पार

7. राजस्थान की प्रेम कहानियां

→ यह देवगढ़ की राजकुमारी थी।

पुरस्कार → - सोवियत लैंड पुरस्कार
- पद्म श्री
- राजस्थान रत्न

पद → 1. विधायक (देवगढ़)

2. राजस्थान प्रदेश कॉंग्रेस अध्यक्ष

3. राज्यसभा सदस्य

→ मीरांजी ... ... the people ⟶ फ्रांसिस टेफ्ट

Springboard ACADEMY

(58)

विजयदान देथा ('बिज्जी') → 1. बातां री फुलवारी

2. दुविधा

RAS Pre 2018 ✱ 3. चरणदास चोर

4. लजवंती

5. अंतराल

6. सपनप्रिया

7. बापू के तीन हथियार

8. तीड़ो राव

9. मा रो बदलो

10. अलेखू हिटलर

→ चरणदास चोर पर हबीब तनवीर ने एक नाटक तैयार किया था।

दुविधा (Moive)

- दुविधा → मणि कौल
- पहेली → अमोल पालेकर

Springboard ACADEMY

(57)

CH : राजस्थान की चित्रकला

→ 1916 ई. में आनंद ~~कुमारी~~ कुमार स्वामी ने राजपूत पेंटिग्स नामक पुस्तक लिखी थी। तथा इस पुस्तक में राजस्थान की चित्रकला का वैज्ञानिक विभाजन किया गया था।

→ भौगोलिक व सांस्कृतिक आधार पर राजस्थान की चित्रकला को 4 भागो में बाँटा जा सकता है।

1. मेवाड़ ⟶ चांवड / उदयपुर, देवगढ़, नाथद्वारा
2. मारवाड़ ⟶ जोधपुर, बीकानेर, किशनगढ़, नागौर, अजमेर, जैसलमेर
3. ढुँढाड़ ⟶ आमेर / जयपुर, अलवर, उणियारा, शेखावाटी
4. हाड़ौती ⟶ बून्दी, कोटा

→ राजस्थान के प्राचीन चित्र जैसलमेर के जिनभद्र सूरि भंडार में रखे गए हैं।

आनंद कुमार स्वामी, O.C गांगुली, हैवेल ⟶ राजपूत चित्रकला Rajput paintings

WH ब्राउन ⟶ राजपूत कला Art

रायकृष्ण दास ⟶ राजस्थानी चित्रकला

Springboard Academy

→ आनंद कुमार स्वामी ने अपनी पुस्तक 'राजपूत पेंटिंग्स' में राजस्थानी चित्रकला के साथ पहाड़ी चित्रकला को भी शामिल किया था।

→ राजस्थान के पुराने चित्र :-

1. ओघ निर्युक्ति वृत्ति
2. दस वैकालिक सूत्र चूर्णि
3.

1. मेवाड़ (Mewar) →

- मेवाड़ ~~जन्म~~ राज. की चित्रकला की जन्मभूमि है।
- यहाँ पर अजंता चित्रकला को जारी रखा गया।
- मेवाड़ के प्राचीन चित्र :-

1. श्रावक प्रतिक्रमण सूत्र चूर्णि
   - → 1260 ई.
   - → रावल तेजसिंह
   - → आहड़
   - → कमलचंद्र
2. सुपार्श्वनाथ चरितम्
   - → 1423 ई.
   - → राणा मोकल
   - → देलवाड़ा
   - → हीरानंद

Springboard ACADEMY

चांवड / उदयपुर :→

महाराणा प्रताप →

- मेवाड़ ~~का~~ चित्रकला का स्वतंत्र विकास चांवड से प्रारंभ हुआ था।

- 1592 ई. में निसारदीन ने ढोला मारू का चित्रण किया था जो दिल्ली के राष्ट्रीय संग्रहालय में रखा गया है।

अमरसिंह I :-

- 1605ई में निसारदीन रागमाला का चित्रण किया था।
- इसी समय बारहमासा का भी चित्रण किया गया था।

जगत सिंह I :-

- इसका शासन काल मेवाड़ चित्रकला का स्वर्णकाल था।

- इसने चितेरों री ओवरी की स्थापना की था।
  ↓
- इसे 'तस्वीरां रो कारखानो' भी कहा जाता है।

- 1628 ई. में साहिबदीन ने रागमाला का चित्रण किया था। इसने भागवत पुराण का भी चित्रण किया था। इसने मेवाड़ के राजाओं के व्यक्तिगत चित्र भी बनाए थे।

Springboard ACADEMY

- 1649 ई. में मनोहर ने रामायण का चित्रण किया था।

जयसिंह →

- इस समय लघु चित्र अधिक बनाए गए थे।

संग्राम सिंह II →

→ इस समय अलग-अलग विषय पर चित्र बनाए गए थे। जैसे- गीत गोविंद
बिहारी सतसई
कालीला दमना
मुल्ला दो प्याजा के लतीफे (चुटकुले)

मेवाड़ चित्रकला की विशेषताएँ →

1. लाल व ~~पीले~~ चमकीले पीले रंग का प्रयोग
2. शिकार के दृश्यो में 3-D प्रभाव।
3. अटपटी पगड़ीयो का चित्रण।
4. कदम्ब ~~के~~ पेड़ो का चित्रण।

5.

(61)

चित्रकार :→

1. नानाराम → | 1540 ई. में महाराणा उदयसिंह 2 के शासनकाल में पारिजात अवतरण का चित्रण किया था।

2. नूरूद्दीन → महाराणा जगत सिंह II का चित्र बनाया था।

3. कृपाराम

4. मंगाराम

5. जगन्नाथ

26 NOV '24

देवगढ़ → यहाँ मेवाड़, मारवाड़ तथा ढूँढाड़ चित्रकलाओं का मिश्रण है।

- 1680 ई. में महाराणा जयसिंह ने द्वारिकादास चुंडावत को देवगढ़ ठिकाना दिया था। यह मेवाड़ का अंतिम प्रथम श्रेणी ठिकाना था। (16वां)

द्वारिकादास चुंडावत →

- चित्रकला का स्वतंत्र विकास प्रारंभ हुआ था।

→ श्रीधर अंधारे ने देवगढ़ चित्रकला को प्रकाश में लाए थे।

Springboard ACADEMY

विशेषताएँ :-

1. हरे व पीले रंगो का अधिक प्रयोग
2. भित्ति चित्र बनाए गए थे।

मोती महल | अजारा की ओबरी

चित्रकार :-

1. कंवला
2. चोखा
3. बगता
4. नगा
5. हरचन्द

नाथद्वारा →

→ राजसिंह →

- चित्रकला का स्वतंत्र विकास प्रारंभ हुआ था।

→ **विशेषताएँ :→**

1. वल्लभ सम्प्रदाय के कारण भगवान कृष्ण के चित्र अधिक बनाए गए थे।

Springboard ACADEMY

(63)

2. यह चित्र मंदिर की ~~पीछे~~ दीवारो व कपड़े के पर्दों पर बनाए जाते हैं जिन्हे पिछवाई कहा जाता है।

3. पीले रंग का अधिक प्रयोग।

4. केले के पेड़ो का अधिक चित्रण।

5. गायों का अधिक चित्रण।

6. आसमान में देवताओं का चित्रण

चित्रकार :→

1. रामचन्द्र
2. रामालिंग
3. चतुर्भुज
4. चंपालाल
5. घासीराम
6. उदयराम
7. ★ कमला
8. ★ इलायची

Springboard ACADEMY

(64)

2. मारवाड →

→ तिब्बती इतिहासकार तारानाथ लामा के अनुसार 7वीं शताब्दी में मारवाड में श्रृंगधर नामक एक चित्रकार था।

→ रामावतार अग्रवाल ने 'Marwar Murals' नामक पुस्तक लिखी हैं।

जोधपुर →

मालदेव :→

- चित्रकला का स्वतंत्र विकास प्रारंभ हुआ हैं।
- चोखेलाव महल में भित्ति चित्र बनाए गए थे।
- उत्तराध्ययन सूत्र नामक ग्रंथ चित्रित किया गया था।

सूरसिंह →

→ ढोला मारू व भागवत पुराण का चित्रण किया गया था।

→

Springboard ACADEMY

जसवंत सिंह :-

- चित्रकला पर मुगल प्रभाव दिखायी देता है।
- इस समय भगवान कृष्ण के चित्र अधिक बनाए गए थे।

हासिया

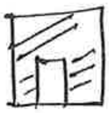

मानसिंह :-

- इसका शासन काल जोधपुर चित्रकला का स्वर्णकाल था।
- इस समय नाथ सम्प्रदाय से संबंधित चित्र अधिक बनाए गए थे। जैसे- नाथ चरित
  शिव पुराण
  दुर्गा पुराण

→ मतिराम की पुस्तक रसराज के 63 चित्र महामंदिर से प्राप्त हुए। ~~है~~

→ दाना राम इस समय का सबसे प्रमुख चित्रकार था।

तख्त सिंह →

→ चित्रकला पर यूरोपीय प्रभाव दिखायी देता है।

→ A.H मूलर ने दुर्गादास राठौड़ का चित्र बनाया था।

विशेषताएँ :→

1. लाल व पीले रंग का अधिक प्रयोग।
2. हासिये में पीले रंग का प्रयोग।

Springboard ACADEMY

3. पंचतंत्र की कहानियों का चित्रण।

4. प्रेम कहानियों का चित्रण जैसे - ढोला मारू
महेंद्र - मूमल

5. बादलों का चित्रण।

चित्रकार :→

1. वीरजी →

~~2.~~
– 1623 ई. में पाली के 'विठ्ठलदास चाम्पावत' के लिए रागमाला का चित्रण किया था।

~~2. लालचंद~~

2. डालचंद :→ महाराजा अभय सिंह का नृत्य देखते हुए चित्र।

3. शिवदास
4. शंकरदास
5. अमरदास
6. जीतमल
7. रामा
8. नाथा
9. छज्जू
10. सैंफू

Springboard ACADEMY

बीकानेर →

रायसिंह →

- चित्रकला का स्वतंत्र विकास प्रारंभ हुआ था।
- भागवत पुराण का चित्रण किया गया था।
- बीकानेर में उस्ता कला लोकप्रिय हुयी थी। अली रजा व रुकनुद्दीन को लाहौर से बुलाया गया था।

→ उस्ता कला में ऊँट के चमड़े पर सोने का कार्य किया जाता हैं।

→ बीकानेर में Camel Hide ~~Training~~ Training Center में उस्ता कला सिखायी जाती हैं।

→ चित्रकार :-

1. रामलाल
2. हसन
3. आसीर खाँ
4. अबू हमीद
5. ★ शाह मोहम्मद
6. हेसामुद्दीन → पद्म श्री

अनूप सिंह →

- इसका शासनकाल बीकानेर चित्रकला का स्वर्णकाल था।
- मुस्लिम चित्रकारो ने हिंदू देवी देवताओ के चित्र बनाए थे।

Springboard ACADEMY

68

→ बीकानेर में मथेरणा कला लोकप्रिय हुयी है।

→ मथेरणा जैन चित्रकार थे। जिन्हें महात्मा कहा जाता था।

→ इन्होंने गीली दीवारो पर राजाओ के चित्र बनाए थे। इसे आलागीला कहा जाता था। शेखावाटी मे इसे पणो कहते हैं।

अन्य नाम → (फ्रेस्को / अरायश)

फ्रेस्को / अरायश
टेम्पेरा

→ मथेरणा कला के चित्रकार:→

1. चंदू
2. मुन्ना
3. मुकुन्द
4. जयकिशन

बीकानेर चित्रकला की विशेषताएँ:→

1. लाल बैंगनी व सलेटी रंगो का प्रयोग।
2. मुगल, दक्षिण भारत तथा पंजाब की चित्रकलाओं का प्रभाव।
3. बीकानेर तथा शेखावाटी के चित्रकारो ने चित्रो के साथ नाम व तिथि लिखनी प्रारंभ ~~की थी~~। किया था।

4. मेघदूत (कालिदास) का चित्रण (~~मुगल~~ मुगल प्रभाव)

5. रेत के टीलो का चित्रण।

6. पहाड़ो का चित्रण।

7. फूल- पत्तियो का चित्रण।

→ हरमन गोएट्ज की पुस्तक → Art & Architecture of Bikaner state

किशनगढ़ →

सांवत सिंह (नागरीदास) →

- चित्रकला का स्वतंत्र विकास प्रांरभ हुआ था।
- इसका शासनकाल किशनगढ़ चित्रकला का स्वर्णकाल था।

- सांवत सिंह की पुस्तके →
  1. मनोरथ मंजरी
  2. देह दशा
  3. रसिक रत्नावली

  (नागर समुच्चय)

- इसकी प्रेमिका विष्णु प्रिया रसिक बिहारी नाम से कविताएँ लिखती थी।

- वल्लभ सम्प्रदाय के प्रभाव के कारण भगवान कृष्ण के चित्र अधिक बनाए गए थे।

Springboard ACADEMY

(70)

- रसिक बिहारी को राधा के रूप में चित्रित किया था। गया

चित्रकार :→

1. मोरध्वज निहालचंद → नागर समुच्चय का चित्रण किया था।
   → इसने रसिक बिहारी का चित्र बनाया था। जिसे बणी ठणी कहा जाता है।

~~२~~ ▶ एरिक डिक्सन → एरिक डिक्सन ने इसे भारत की मोनालिसा कहा था।

- 1978 ई. में बणी ठणी पर डाक टिकट जारी किया गया था।

2. अमीरचंद → चाँदनी रात की गोष्ठी

3. सूरध्वज

★ 4. नानकराम (RAS 2021)

5. रामनाथ

6. सवाईराम

7. बदन सिंह

8. सीताराम

विशेषताएँ :→

1. महिला सौंदर्य का चित्रण अधिक
2. गुलाबी व सफेद रंग का अधिक प्रयोग
3. हाशिये में हल्के गुलाबी रंग का प्रयोग

Springboard ACADEMY

(71)

4. ~~पेड़ो के~~ केले के पेड़ो का अधिक चित्रण।

5. सरोवरो का अधिक चित्रण।

6. हंसो का अधिक चित्रण।

7. कांगड़ा चित्रकला का प्रभाव।

8. वेसरि का चित्रण। (नाक का आभूषण)

नागौर →

- लकड़ी के दरवाजो पर भित्ति चित्रण।
- वृद्धावस्था का अधिक चित्रण।
- पारदर्शी कपड़ो का चित्रण।
- बुझे हुए रंगो का प्रयोग।

अजमेर →

- चित्रो में हिंदू, ईसाई तथा इस्लाम धर्मो का प्रभाव।
- ठिकानो के चित्रकला में राजपूत संस्कृति दिखायी देती है।

- चित्रकार: → 1. चाँद → पाबूजी का चित्र
  2. तैय्यब
  3. राम सिंह
  *4. साहिबा
  *5. उस्ना

जैसलमेर →

- मूमल का अधिक चित्रण।
- इस चित्रकला पर अन्य कोई प्रभाव नहीं है।

Springboard ACADEMY

(72)

३. ढुंढाड →

आमेर /जयपुर →

मानसिंह →

- चित्रकला का स्वतंत्र विकास प्रारंभ हुआ।
- बिराटनगर के मुगल गार्डन व मौजमाबाद में भित्ति चित्र बनाए गए ~~थे~~ थे।
- आमेर के चित्रकारो मे रज्मनामा के 169 चित्र बनाए थे।
- इस समय यशोधरा चरित्र का भी चित्रण किया गया था।

21 Nov. 24

मिर्जा राजा जयसिंह →

- आमेर में गणेश पोल पर भित्ति चित्र बनाए गए थे।
- अपनी रानी ~~ह~~ चन्द्रावती के लिए भगवान कृष्ण के चित्र बनवाए थे।
-

Springboard ACADEMY

(73)

सवाई जयसिंह →

☆- सूरत खाना नामक ~~चि~~ चित्रकला विभाग की स्थापना की।

↓

चित्रकार → 1. साहिबराम

☆2. मोहम्मद शाह → इसने भगवान कृष्ण के चित्र बनाए थे।

ईश्वरी सिंह →

- साहिबराम ने राजाओ के आदमकद चित्र बनाए थे।

माधोसिंह →

- इस समय भित्ति चित्रण अधिक किया गया था।

जैसे → ~~पुंडरिक हवेली~~
पुंडरीक
सिसोदिया रानी का महल
गलताजी मंदिर

☆ प्रताप सिंह →

- इसका शासनकाल जयपुर चित्रकला का स्वर्ण काल था।
- इसने चित्रकला स्कुल की स्थापना की।
- लालचंद नामक चित्रकार ने पशुओ की लड़ाई के दृश्य बनाए थे।

Springboard Academy

विशेषताएँ :

1. लाल, पीला, हरा व केसरिया रंग का प्रयोग।

2. हासिये में गहरे लाल रंग का प्रयोग।

☆3. मुगल चित्रकला का सर्वाधिक प्रभाव।

4. मुगल प्रभाव के कारण आला गीला चित्रण प्रारंभ हुआ था।

5. आदमकद चित्रण।

6. हाथियो का चित्रण।

7. उद्यानो का चित्रण।

8. भित्ति चित्रण।

9. दाढ़ी मुँछ विहीन ~~पुरुष~~ पुरुष।

चित्रकार: →

1. लालजी
2. रामजी
3. कुशला
4. हुकमा
5. गोपाल
6. उदय
7. जीवन

Springboard ACADEMY

(1-5)

अलवर →

बख्तावर सिंह →

- चित्रकला का स्वतंत्र विकास प्रारंभ हुआ था।
- राजगढ़ के शीश महल में भित्ति चित्र बनाए गए थे।
- इन चित्रों में राजा धार्मिक चर्चा कर रहा है।

विनय सिंह →

- इसका शासन काल अलवर चित्रकला का स्वर्णकाल था।
- बलदेव नामक चित्रकार विनयसिंह को चित्रकारी सिखाता था।

→ बलदेव तथा गुलाम अली ने गुलिस्तां (शेख सादी) का चित्रण किया था।

→ विनय सिंह का अलवर चित्रकला में वही स्थान है जो मुगल चित्रकला में अकबर का है।

शिवदान सिंह →

- इस समय कोकशास्त्र का चित्रण किया गया था।

मंगल सिंह →

- मूलचंद तथा उदयराम ने हाथी दाँत पर चित्रण किया था।

Springboard Academy

76

विशेषताएँ :→

1. चिकने तथा ~~उज्ज्वल~~ रंगो का प्रयोग। उज्ज्वल
2. हासिये में फूल पत्तियो का चित्रण।
3. आमेर, मुगल तथा ईरान की चित्रकलाओ का प्रभाव।
4. लघु चित्रण अधिक
5. योगासन चित्रण।
6. वेश्याओं का चित्रण।

☆ चित्रकार :→

1. जमनादास
2. बक्साराम
3. सालिगराम
4. छोटेराम
5. नंदलाल
6. रामगोपाल
7. शिव कुमार
8. डालू राम

(7, 8) → प्रताप सिंह के साथ जयपुर से अलवर गए थे।

~~9.~~

अणियारा →

- अणियारा जयपुर रियासत का प्रथम ठिकाना था।

- सरदार सिंह →

  - चित्रकला का स्वतंत्र विकास प्रारंभ हुआ।

→ यह ढूंढाड़ व तथा बूँदी चित्रकला का मिश्रण है।

चित्रकार: →

1. मीरबख्श → राम, लक्ष्मण, सीता तथा हनुमानजी के चित्र बनाए।
2. धीमा
3. भीम
4. काशी
5. रामलखन

शेखावाटी →

→ शेखावाटी ~~अपनी~~ की हवेलियाँ अपने भित्ति चित्रों के लिए प्रसिद्ध हैं अतः शेखावाटी को 'ओपन आर्ट गैलेरी' कहा जाता है।

→ प्रमुख चित्र: → फतहपुर की गोयनका हवेली में भगवान कृष्ण व 8 गोपियों का चित्रण।

विशेषताएँ: →

1. नीले रंग का अधिक प्रयोग।
2. यूरोपीय शैली का अधिक प्रभाव।

Springboard ACADEMY

चित्रकार: → 1. देवा → जोगीदास की छतरी (उदयपुरवाटी) की भित्ति चित्र बनाए।

→ नाथिन ला प्रिंस ने फतेहपुर की हवेलियो के भित्ति चित्रो का संरक्षण किया था।

4. हाडौती →

बूँदी →

सुरजन → चित्रकला का स्वतंत्र विकास प्रारंभ हुआ।

शत्रुशाल → इसने रंग महल का निर्माण करवाया था जो भित्ति चित्रो के लिए प्रसिद्ध है।

उम्मेद सिंह → इसका शासन काल बूँदी चित्रकला का स्वर्ण काल था।

- इसने चित्र शाला का निर्माण करवाया था। (रंगविलास), जिसे भित्ति चित्रो का स्वर्ग कहा जाता है)

Springboard ACADEMY

प्रमुख चित्र :→

1. उम्मेद सिंह जंगली सुअर का शिकार कर रहा है।

विशेषताएँ :→

1. प्रकृति चित्रण अधिक।
2. हरे रंग का अधिक प्रयोग।
3. मेवाड़ शैली का अधिक प्रभाव।
4. भाव सिंह व अनिरुद्ध के शासन काल में चित्रों ~~पर~~ ~~काल~~ में दक्षिण - भारतीय प्रभाव दिखायी देता है।
5. नाचते हुए मोरो का चित्रण।
6. सतरंगी बादलो का चित्रण।
7. मतिराम की पुस्तक रसराज का चित्रण।

चित्रकार (Bundi)
1. सुरजन
2. रामलाल
3. किशन
4. साधुराम
5. अहमद

→ मतिराम भाव सिंह का दरबारी विद्वान था।

मतिराम → Books →
1. रसराज
2. ललित ललाम

कोटा →

~~रा~~

रामसिंह → चित्रकला का स्वतंत्र विकास प्रांरभ हुआ।

भीमसिंह → वल्लभ सम्प्रदाय के प्रभाव के कारण भगवान कृष्ण के चित्र अधिक बनाए गए।

Springboard Academy

(80)

उम्मेद सिंह → इसका शासनकाल कोटा चित्रकला का स्वर्णकाल था।

विशेषताएँ:→

1. महिला सौंदर्य का चित्रण अधिक।
2. शिकार के दृश्यो का चित्रण अधिक।
3. महिलाओ का पशुओ का शिकार करते हुए दिखाया है।
4. हल्का हरा, पीला तथा नीला रंग का प्रयोग।

चित्रकार:→

1. रघुनाथ
2. गोविंद
3. लच्छीराम
4. नूर मोहम्मद
5. डालू ⟶ रागमाला का चित्रण किया।

Springboard ACADEMY

(81)

आधुनिक चित्रकार :-

1. रामगोपाल विजयवर्गीय → गुरु :→ शैलेन्द्रनाथ डे

- → सबसे पहले चित्र प्रदर्शनी लगाना प्रांरभ किया था।
- → प्रमुख चित्र → मेघदूत
- → Book → अभिसार निशा (छिप कर मिलना)

अभिसार ॥ आक्रमण

2. गोवर्धन लाल बाबा →

- → भीलों का चितेरा
- → मुख्य चित्र → बारात

3. परमानन्द चोयल :→

- → भैंसों का चितेरा

4. जगमोहन माथोडिया →

- → श्वान का चितेरा

5. सौभाग्यमल गहलोत →

- → नीड का चितेरा

6. देवकीनन्दन शर्मा →

- → इन्होने प्रकृति का चित्रण अधिक किया था।
- → इन्हे 'The Master of Nature and living objects' कहा जाता है।

Springboard ACADEMY

7. ज्योतिस्वरूप कच्छावा →

- इन्होंने जंगल से संबंधित चित्र अधिक बनाए थे।
- चित्र श्रृंखला → 'Inner Jungle'

8. भूरसिंह शेखावत :→

→ इन्होंने स्वतंत्रता सेनानियों के चित्र अधिक बनाए थे।
→ इनके चित्रों में राजस्थानी प्रभाव अधिक दिखायी देता है।
→ अन्य नाम → मास्टरजी
→ प्रमुख चित्र :→ सब्जी बेचती हुयी एक महिला

9. कुंदन लाल मिस्त्री →

→ प्रमुख चित्र :→ 1. बाजार जाती हुयी एक महिला
2. एक भील सरदार
3. सीता स्वयंवर

→ उपाधियाँ → 1. चित्र निपुण
2. चित्रकला भूषण

→ इन्होंने महाराणा प्रताप के चित्र बनाए थे।

Springboard ACADEMY

(83)

~~10. राजा रवि वर्मा~~ →

⇒ ~~8~~

- इनके चित्रों के आधार पर राजा रवि वर्मा ने महाराणा प्रताप का चित्र बनाया था।

- राजा रवि वर्मा त्रावणकोर (केरल) रियासत के रहने वाले थे। इन्हें भारतीय चित्रकला का पितामाह कहा जाता है।

फतेह सिंह ने निकाल दिया भूपाल Singh

श्रीधर अंधारे, मोतीचंद्र, RK वशिष्ठ] मेवाड Art पर research

एरिक डिक्सन, फैयाज अली] किशनगढ़

प्रमोदचन्द्र, WG आर्चर, बृजेन्द्र सिंह] → हाड़ौती

28 Nov 24

→ बेसिल ग्रे तथा डगलस गैरेट के अनुसार मेवाड चौरपंचाशिका शैली का उद्गम स्थल है।

→ ~~वसुदेव शरण अग्रवाल~~

→ वासुदेव शरण अग्रवाल के अनुसार राजस्थानी चित्रकला महिला सौंदर्य की खान है।

Springboard ACADEMY